2
अध्याय

कल्याण उपाय

कल्याण उपाय

1. भारत में कोयला भंडार

भारत के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा सीएमपीडीआई, एमईसीएल, जीएसआई, एससीसीएल तथा अन्यों द्वारा अनुमानित संसाधनों के आधार पर तैयार भारतीय कोयले के भूवैज्ञानिक संसाधनों की इंवेंटरी दिनांक 01.4.2022 की स्थिति के अनुसार और 1200 मीटर तक की गहराई तक 361.41 बि.ट. है। कोयला संसाधन मुख्य रूप से झारखण्ड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में पाए गए हैं।

01.04.2022 तक की स्थिति के अनुसार प्रकार–वार और श्रेणी–वार संसाधन

(संसाधन बिलियन टन में)

गहराई सीमा (मी.))	मापित (331)	निर्दिष्ट (332)	अनुमानित (333)		कुल
			अन्वेषण	मैपिंग	
गोंडवाना कोयला					
कोकिंग					
0-300	8.24	4.15	0.04	0.00	12.43
0-600	8.70	0.00	0.00	0.00	8.70
300-600	1.52	5.01	0.74	0.00	7.27
600-1200	2.41	3.12	1.17	0.00	6.70
0-1200	***20.87***	***12.28***	***1.95***	***0.00***	***35.10***
नॉन कोकिंग					
0-300	120.85	57.37	6.72	0.00	184.94
0-600	5.66	0.44	0.00	0.00	6.10
300-600	34.74	61.00	12.06	0.00	107.80
600-1200	4.39	16.03	5.39	0.00	25.81
0-1200	***165.64***	***134.84***	***24.17***	***0.00***	***324.65***
टरशियरी कोयला					
उच्च सल्फर					
0-300	0.41	0.11	0.19	0.75	1.46
300-600	0.18	0.02	0.00	0.00	0.20
0-600	***0.59***	***0.13***	***0.19***	***0.75***	***1.66***

टिप्पणी: आंकड़े अनुमानित है।

दिनांक 01.04.2022 तक की स्थिति के अनुसार गहराई–वार और श्रेणी–वार संसाधन

(संसाधन बिलियन टन में)

गहराई सीमा (मी.)	कोकिंग			नॉन–कोकिंग			उच्च सल्फर	कुल योग
	प्राइम	मध्यम	सेमी कोचिंग	उच्च (जी1–जी6)	निम्न (जी7–जी17)	ग्रेड नहीं किया गया		
0-300	0.00	11.96	0.47	21.69	156.53	6.72	1.46	198.82
0-600	4.05	4.65	0.00	0.20	5.90	0.00	0.00	14.81
300-600	0.00	6.51	0.76	13.79	81.95	12.06	0.20	115.27
600-1200	1.26	4.96	0.48	3.43	16.99	5.39	0.00	32.51
0-1200	***5.31***	***28.08***	***1.71***	***39.11***	***261.37***	***24.17***	***1.66***	***361.41***

2. भारत में लिग्नाइट भण्डार

देश में लिग्नाइट भंडारों का अनुमान लगभग 46.20 बिलियन टन (01.04.2022 की स्थिति के अनुसार) लगाया गया है। प्रमुख निक्षेप तमिलनाडु राज्य में हैं, तत्पश्चात् ये राजस्थान, गुजरात, पुद्दुचेरी संघ राज्य क्षेत्र, जम्मू एवं कश्मीर, केरल, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल में पाए जाते हैं।

3. राज्य–वार कोयला एवं लिग्नाइट भंडार

(कोयला भंडार मिलियन टन में)

राज्य	मापित (331)	निर्दिष्ट (332)	अनुमानित (333)	संसाधन
ओडिशा	48572.58	34080.42	5451.60	88104.60
झारखण्ड	53245.02	28259.67	5155.41	86660.10
छत्तीसगढ़	32053.42	40701.35	1436.99	74191.76
पश्चिम बंगाल	17233.88	12858.84	3778.53	33871.25
मध्य प्रदेश	14051.66	12722.97	4142.10	30916.73
तेलंगाना	11256.78	8344.35	3433.07	23034.20
महाराष्ट्र	7983.64	3390.48	1846.59	13220.71
बिहार	309.53	4079.69	47.96	4437.18
आंध्र प्रदेश	920.96	2442.74	778.17	4141.87
उत्तर प्रदेश	884.04	177.76	0.00	1061.80
मेघालय	89.04	16.51	470.93	576.48
असम	464.78	57.21	3.02	525.01
नागालैंड	8.76	21.83	447.72	478.31
सिक्किम	0.00	58.25	42.98	101.23
अरूणाचल प्रदेश	31.23	40.11	18.89	90.23
कुल	**187105.32**	**147252.18**	**27053.96**	**361411.46**

(लिग्नाइट मंडार मिलियन टन में)

राज्य	मापित (331)	निर्दिष्ट (332)	अनुमानित (333)	संसाधन
पुद्दुचेरी	00	405.61	11.00	416.61
तमिलनाडु	4926.92	21981.18	9652.62	36560.72
राजस्थान	11.68.53	3029.78	2259.41	6457.72
गुजरात	1278.65	283.70	1159.70	2722.05
जम्मू और कश्मीर	00	20.25	7.30	27.55
केरल	00	00	9.65	9.65
पश्चिम बंगाल	00	1.13	2.80	3.93
ओडिशा	00	00	5.93	5.93
कुल	**7374.10**	**25721.65**	**13108.41**	**46204.16**

4. कोयला उत्पादन

वर्ष 2022–23 (दिसम्बर, 2022 तक) के दौरान वास्तविक कच्चा कोयला उत्पादन 911.00 मि.ट. के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य की तुलना में 607.295 मि.ट. है। सीआईएल, एससीसीएल तथा अन्यों से कोयला उत्पादन के कंपनी–वार ब्यौरे नीचे तालिका में दिए गए हैं:

कंपनी–वार कोयला उत्पादन

(मि.ट. में)

कंपनी	2020–21	2021–22 (अनंतिम)		उपलब्धि %	वृद्धि %	2022–23 (दिसम्बर,2022 तक (अनंतिम)		
	वास्तविक	वार्षिक लक्ष्य	वास्तविक			वार्षिक लक्ष्य	वास्तविक	उपलब्धि %
सीआईएल	596.221	670.000	622.634	92.93%	4.43%	700.000	479.040	68.43%
एससीसीएल	50.580	68.000	65.022	95.62%	28.55%	70.000	47.233	67.48%
कैप्टिव*	63.149	99.000	85.718	86.58%	35.74%	130.000	76.612	58.93%
अन्य	6.133	11.000	4.837	43.97%	-21.13%	11.000	4.410	40.09%
कुल	**716.083**	**848.00**	**778.211**	**91.77%**	**8.68%**	**911.00**	**607.295**	**66.66%**

** वर्ष 2020–21, 2021–22 और 2022–23 (दिसम्बर, 2022 तक) के दौरान एसईसीएल की गारे पाल्मा–IV/2 एवं 3 से 3.202 मि.ट., 2.913 मि.ट. और 1.216 मि.ट. उत्पादन सीआईएल में जोड़ा गया है और कैप्टिव उत्पादन में शामिल नहीं किया गया है।*

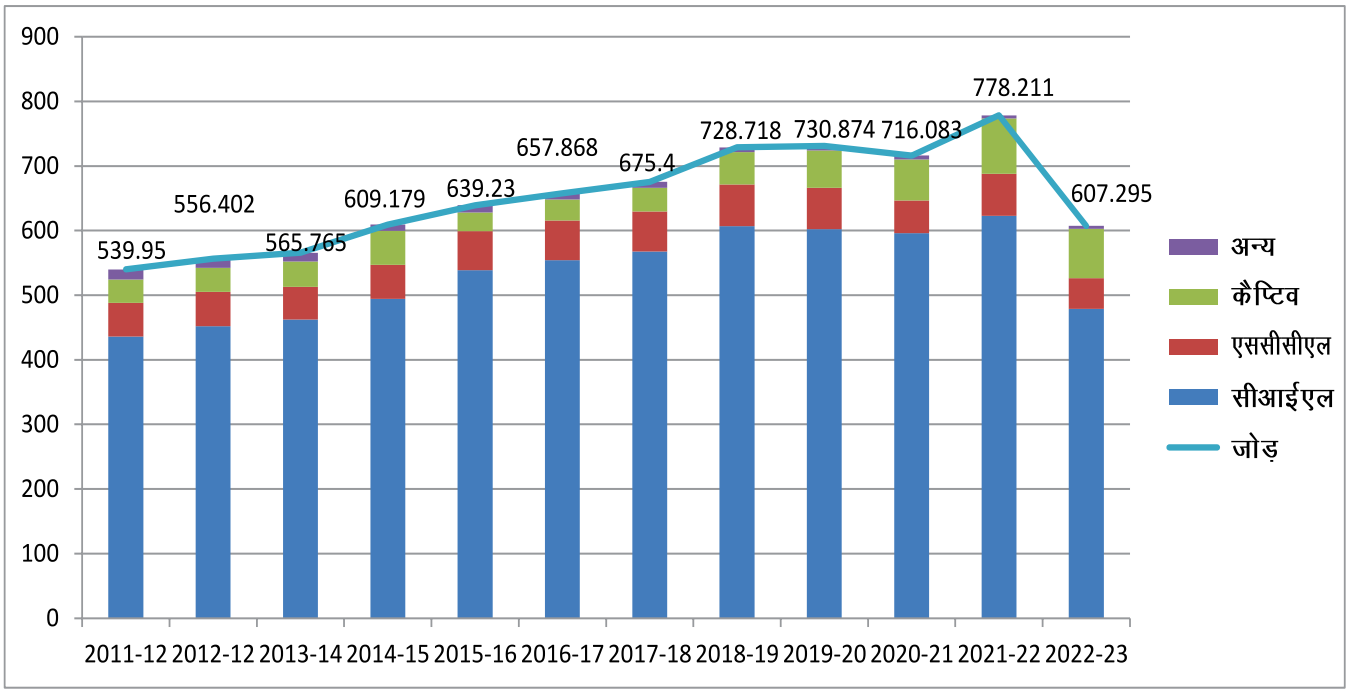

5. कोयले का प्रेषण

2022–23 (दिसम्बर, 22 तक) के दौरान कच्चे कोयले का वास्तविक प्रेषण 911.00 मि.ट. के वार्षिक लक्ष्य की तुलना में 637.241 मि.ट. है। सीआईएल, एससीसीसएल और अन्यों से कोयला प्रेषण का कंपनी–वार विवरण निम्नानुसार है:

कंपनी–वार कोयला उत्पादन

(मि.ट. में)

कंपनी	2020–21	2021–22 (अनंतिम)		उपलब्धि %	वृद्धि %	2022–23 (दिसम्बर,2022 तक (अनंतिम)		
	वास्तविक	वार्षिक लक्ष्य	वास्तविक			वार्षिक लक्ष्य	वास्तविक	उपलब्धि %
सीआईएल	573.628	740.000	661.741	89.42%	15.36%	700.000	508.062	72.58%
एससीसीएल	48.513	68.000	65.533	96.37%	35.08%	70.000	47.274	67.53%
कैप्टिव*	62.624	99.000	87.076	87.96%	39.05%	130.000	77.500	59.62%
अन्य	6.119	11.000	4.863	44.21%	-20.53%	11.000	4.405	40.05%
कुल	**690.884**	**918.000**	**819.213**	**89.24%**	**18.57%**	**911.00**	**637.241**	**69.95%**

** 2020–21, 2021–22 तथा 2022–23 (दिसम्बर, 22 तक) के दौरान एसईसीएल की गारे पाल्मा.IV/ 2 और 3 से 3.241 मि.ट., 2.713 मि.ट. तथा 1.430 मि.ट. का प्रेषण सीआईएल में जोड़ा गया है और कैप्टिव प्रेषण में शामिल नहीं किया गया है।*

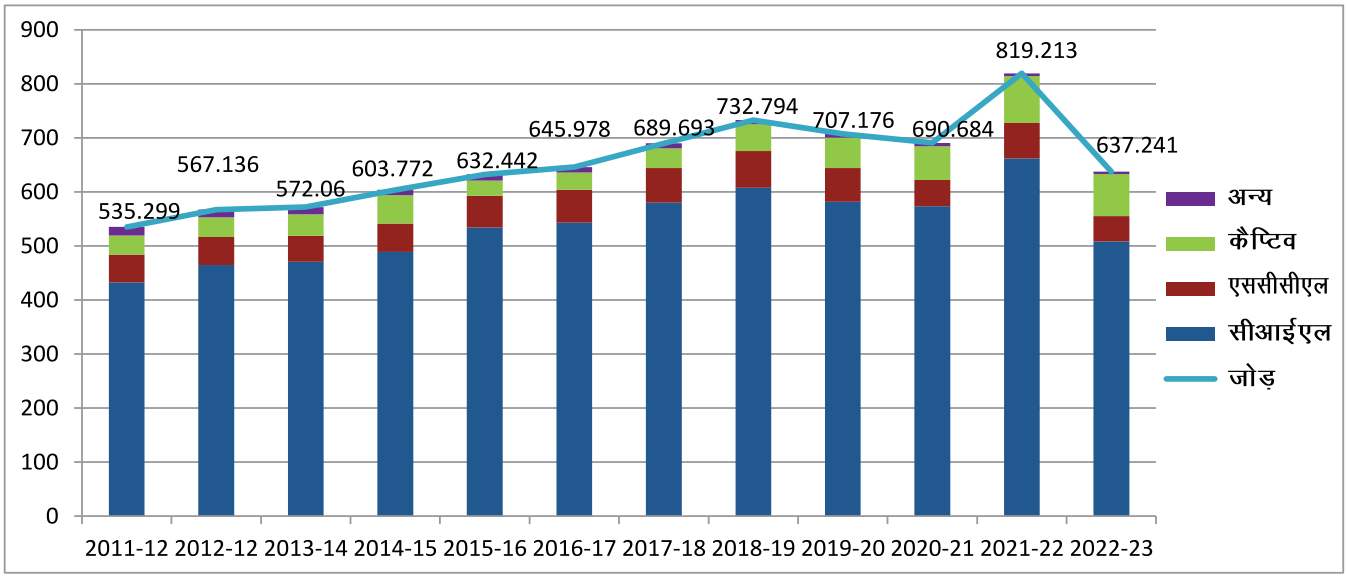

6. कंपनी–वार कच्चे कोयले का प्रेषण

(मि.ट. में)

कंपनी	जनवरी'22– नवम्बर'22			जनवरी, 21–नवम्बर, 21	% वृद्धि
	लक्ष्य	वास्तविक	% उपलब्धि	वास्तविक	
सीआईएल	708.0	687.9	97%	646.5	6%
एससीसीएल	68.63	64.64	94.19	64.90	-0.40

6. क. जनवरी–मार्च 2021 के लिए कच्चे कोयले के प्रेषण का कंपनी–वार अनुमान

(मि.ट. में)

कंपनी	जनवरी, 23–मार्च, 23	जनवरी, 22–मार्च, 22
	अनुमानित	वास्तविक
सीआईएल	191.5	180.3
एससीसीएल	20.72	17.36

7. क्षेत्र–वार कच्चे कोयले का प्रेषण–सीआईएल (अनंतिम)

(मि.ट. में)

क्षेत्र	वास्तविक जनवरी, 22– दिसम्बर, 22	वास्तविक जनवरी, 21–दिसम्बर, 21	% वृद्धि
इस्पात*	5.9	4.5	33%
विद्युत (यूटिलिटी)**	581.8	516.9	13%
विद्युत (कैप्टिव)***	33.3	36.8	-10%
सीमेंट	3.2	3.7	-13%
अन्य	63.6	84.6	-25%
सीआईएल#	687.9	646.5	6%

** वॉशरियों को कोत्र्क्कग कोयले की आपूर्ति, इस्पात संयंत्रों को सीधी आपूर्ति तथा मिश्रण योग्य आपूर्ति शामिल है।*

***परिष्करण के लिए वॉशरी तथा बीना डिशेलिंग संयंत्र हेतु नॉन–कोकिंग कोयले की आपूर्ति तथा विद्युत के लिए विशेष फॉरवर्ड ई–नीलामी शामिल है।*

**** कैप्टिव विद्युत में उर्वरक क्षेत्र को प्रेषण शामिल है*

 # कोलियरी खपत छोड़कर।

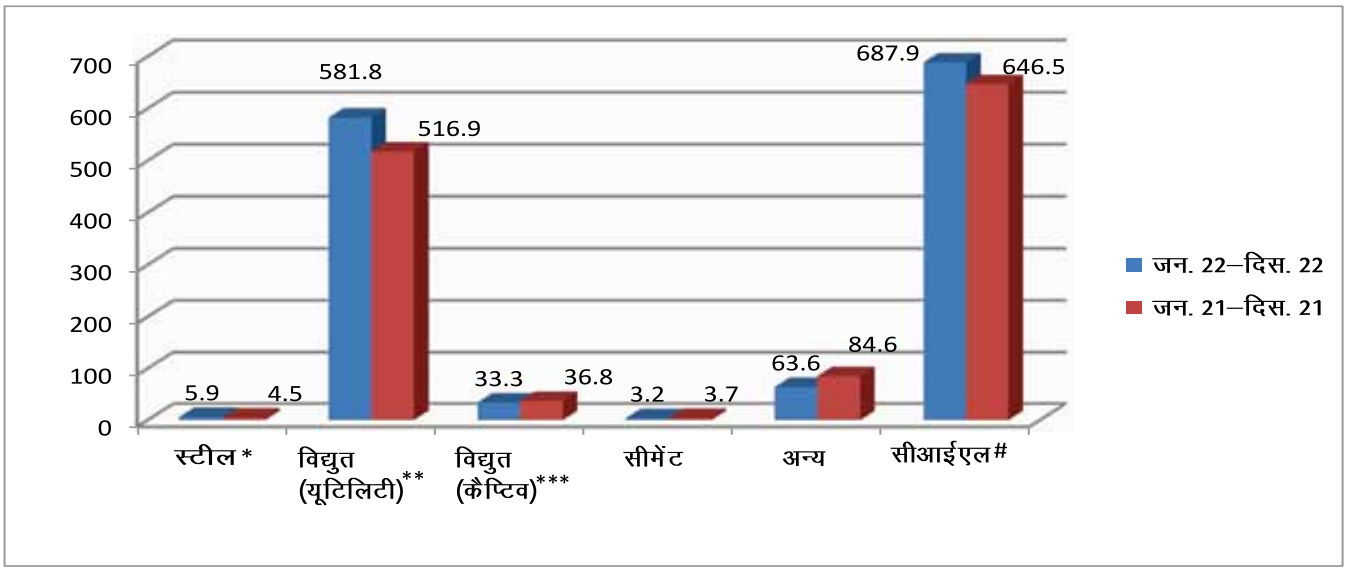

सीआईएल की क्षेत्र–वार कोयला प्रेषण की स्थिति

7.1 सीआईएल का क्षेत्र–वार प्रेषण अनुमान

(मि.ट. में)

क्षेत्र	अनुमानित जनवरी, 23 – मार्च, 23	वास्तविक दिसंबर, 22 – मार्च, 22
इस्पात*	1.4	1.5
विद्युत (यूटिलिटी)**	154.4	143.6
विद्युत (कैप्टिव)***	10.1	8.5
सीमेंट	1.3	1.1
अन्य	24.4	25.6
सीआईएल#	191.5	180.3

* *वॉशरियों को कोत्रकग कोयले की आपूर्ति, इस्पात संयंत्रों को सीधी आपूर्ति तथा मिश्रण योग्य आपूर्ति शामिल है।*

***परिष्करण के लिए वॉशरी तथा बीना डिशेलिंग संयंत्र हेतु नॉन–कोकिंग कोयले की आपूर्ति तथा विद्युत के लिए विशेष फॉरवर्ड ई–नीलामी शामिल है।*

*** *कैप्टिव विद्युत में उर्वरक क्षेत्र को प्रेषण शामिल है*

\# *कोलियरी खपत छोड़कर।*

8. एससीसीएल का क्षेत्र–वार प्रेषण

क्षेत्र	वास्तविक (जन.–दिसं. 2022)	वास्तविक (जन.–दिसं. 2021)	वृद्धि (%)	वास्तविक (अपै.–दिसं. 2022)	वास्तविक (अपै.–दिसं. 2021)	वृद्धि (%)
विद्युत'यूटिलिटी)	52.75	53.98	-2.28	39.05	39.94	-2.24
विद्युत'सीपीपी)	2.98	2.92	2.21	2.00	2.24	-10.43
सीमेंट	3.15	2.99	5.49	2.27	2.19	3.84
स्पंज आयरन/सीडीआई	0.39	0.18	117.00	0.28	0.14	91.67
अन्य	5.36	4.83	10.91	3.68	3.66	0.57
कुल : एससीसीएल	64.64	64.90	-0.40	47.28	48.17	-1.85

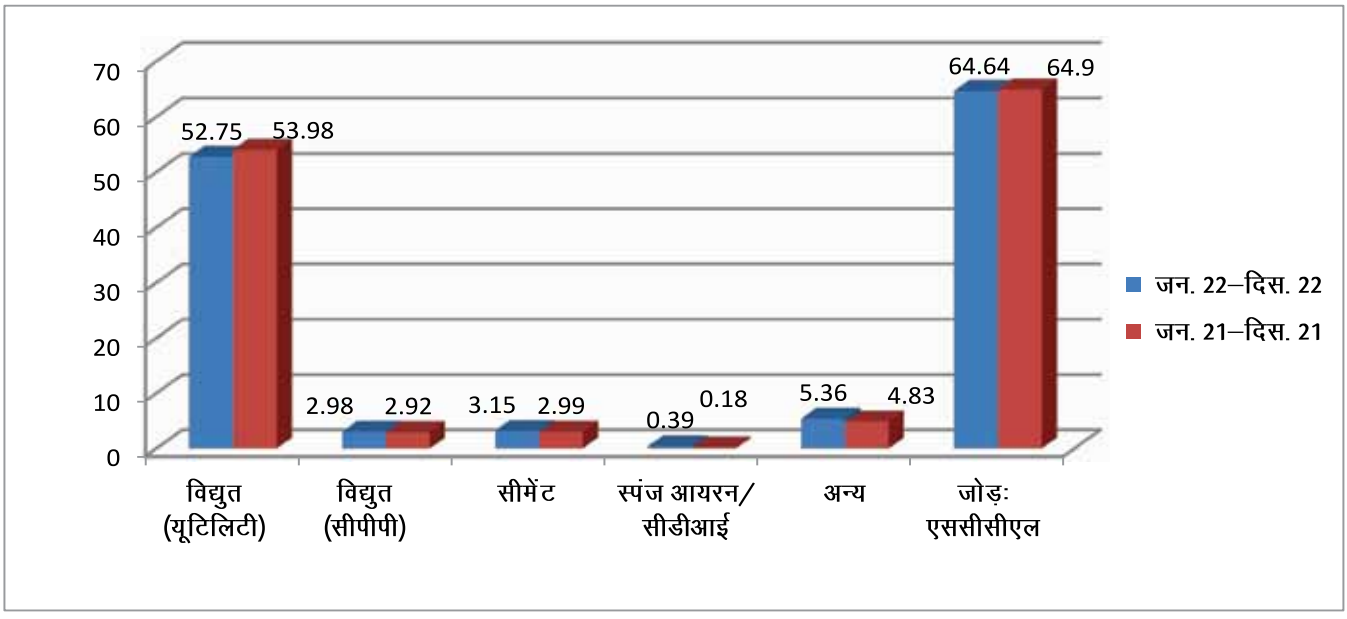

एससीसीएल की क्षेत्र–वार कोयला प्रेषण की स्थिति

8.2 एससीसीएल का क्षेत्र–वार प्रेषण अनुमान

(मि.ट. में)

क्षेत्र	अनुमानित जनवरी, 23 – मार्च, 23	वास्तविक दिसंबर, 22 – मार्च, 22
इस्पात*	17.10	13.71
विद्युत (यूटिलिटी)**	1.30	0.98
विद्युत (कैप्टिव)***	0.53	0.88
सीमेंट	0.07	0.11
अन्य	1.72	1.69
कुल	**20.72**	**17.36**

9. लिग्नाइट उत्पादन

एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) एक एकीकृत खनन–सह–विद्युत कंपनी है जिसमें थर्मल विद्युत स्टेशनों से जुड़ी ओपन कास्ट लिग्नाइट खानें हैं। वर्ष 2022–23 के दौरान दिसम्बर, 2022 के माह तक एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा लिग्नाइट उत्पादन 26.35 मि.ट. के बजट अनुमान लक्ष्य (2022–23) की तुलना में 17.21 मि.ट. था, इसके अलावा एनएलसीआईएल एवं एनटीपीएल(जेवी) द्वारा विद्युत उत्पादन क्रमशः 26,627.33 एमयू और 7,540.00 एमयू के बजट अनुमान लक्ष्य (2022–23) की तुलना में दिसम्बर, 2022 के माह तक 18238.81 एमयू एवं 4306.04 एमयू था। जनवरी, 2023 से मार्च 2023 की अवधि के लिए प्रत्याशित उत्पादन नीचे दर्शाया गया है। विवरण निम्नानुसार है:–

उत्पाद	यूनिट	ब. अ. 2022.23	2021–22 (जनवरी 22 से मार्च 22)	2022.23 (दिसम्बर 22 तक)		जनवरी 2023 से मार्च 2023 (अनुमानित)
			वास्तविक	लक्ष्य	वास्तविक (अनंतिम)	
ओवरबर्डन	एमएम^3	165.85	40.49	120.05	112.35	45.80
लिग्नाइट	एमटी	26.35	8.52	18.39	17.21	7.96
सकल विद्युत (एनएलसीआईएल)	एमयू	26,627.33	6,529.96	19,512.97	18,238.81	7,114.36
विद्युत निर्यात (एनएलसीआईएल)	एमयू	23,973.33	5,788.63	17,572.87	16,072.10	6,399.36
सकल विद्युत (एनटीपीएल)	एमयू	7,540.00	927.02	5,538.00	4,306.04	2,002.00
विद्युत निर्यात (एनटीपीएल)	एमयू	7,107.00	850.25	5,220.00	4,006.24	1,887.00

लिग्नाइट प्रेषण:

(मिलियन टन में)

कंपनी–वार लिग्नाइट प्रेषण					
लिग्नाइट	2019–20	2020–21	2021–22 (अनंतिम)	2022–23 (दिसम्बर, 22 तक) (अनंतिम)	
एनएलसी	25.123	19.753	26.932	18.785	112.35
जीएमडीसीएल	6.957	6.004	8.554	5.643	17.21
जीआईपीसीएल	3.342	3.507	2.910	1.967	18,238.81
जीपीसीएल	-	1.272	1.852	0.921	16,072.10
आरएसएमएमएल	0.790	0.830	1.981	0.822	4,306.04
जीएचसीएल	0.055	0.036	0.069	0.068	4,006.24
वीसीएलपीपीएल	0.697	0.927	0.980	0.743	16,072.10
बीएलएमसीएल	5.303	6.163	5.796	4.385	4,306.04
अखिल भारत	**42.267**	**38.492**	**49.074**	**33.334**	**4,006.24**

10. कोल लिंकेज नीति का कार्यान्वयन

गैर–विनियमित क्षेत्र के लिए कोयला लिंकेज की नीलामी हेतु नीतिः सीआईएल ने अब तक लिंकेज नीलामी के पांच दौरों को पूरा कर लिया है, जहां सफल बोलीदाताओं द्वारा प्रति वर्ष कुल 131.19 मिलियन टन लिंकेज बुक किए गए हैं।

भारत में पारदर्शी रूप से कोयले (कोल) के दोहन और आवंटन हेतु योजना (शक्ति) नीतिः शक्ति नीति के विभिन्न उपबंधों के तहत 209.614 मिलियन टन कोयला लिंकेज बुक/आवंटित किया गया है।

11. नई नीतिगत पहलें

(i) गैर–विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) के कोयला लिंकेज की नीलामी हेतु नीति के तहत नया उप–क्षेत्रः– कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए एनआरएस लिंकेज नीलामी के तहत 2022 में एक नया उप–क्षेत्र 'सिन–गैस का उत्पादन' जिससे कोयला गैसीकरण होता है, बनाया गया है ताकि कोयला गैसीकरण के लिए कोयले की आवश्यकता वाले नए उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित किया जा सके। यह पर्यावरण पर कोयले के पारंपरिक उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों को भी कम करेगा।

(ii) कोयले की ई–नीलामी के लिए सिंगल विंडो :– सरकार ने हाल ही में कोयला कंपनियों द्वारा कोयले की ई–नीलामी के लिए एक नए कार्यतंत्र को मंजूरी दी है। इसके बाद, कोल इंडिया लिमिटेड की पूर्ववर्ती क्षेत्रीय ई–नीलामी विंडो को समाप्त कर दिया गया है और कोयला कंपनियों के सभी गैर–लिंकेज कोयले को कोल इंडिया लिमिटेड / सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड की एक ई–नीलामी विंडो के माध्यम से बेचा जाएगा। यह एकल ई–नीलामी विंडो व्यापारियों सहित सभी क्षेत्रों अर्थात विद्युत और गैर–विनियमित क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करेगी। इसलिए, किसी विशेष ग्रेड का कोयला बाजार में सभी उपभोक्ताओं को एक दर (वन नेशन–वन कोल ग्रेड, वन रेट) पर बेचा जाएगा।

एकल ई–नीलामी विंडो कोयला कंपनियों को बाजार द्वारा डिस्कवर किए गए मूल्य कार्यतंत्र के माध्यम से कोयले की बिक्री करने में सक्षम बनाएगी और इस प्रकार, इस नीति को लागू करने से बाजार विसंगतियों को दूर किया जा सकेगा। इससे परिचालन क्षमता में भी वृद्धि होगी और घरेलू कोयला बाजार में दक्षता से घरेलू कोयले की मांग में वृद्धि होगी।

(iii) एनसीडीपी में संशोधन : राष्ट्रीय हित में कोयला संसाधनों के इष्टतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, नई कोयला वितरण नीति (एनसीडीपी), 2007 में संशोधन करके उपबंधों को सक्षम किया गया है, ताकि सीआईएल/एससीसीएल की बंद/परित्यक्त/समाप्त खानों से उत्पादित कोयले को कोयला मंत्रालय द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार पारदर्शी और वस्तुनिष्ठ तरीके से बेचे जाने अनुमति दी जा सके।

(iv) कोयला कंपनियों के गैसीकरण संयंत्रों हेतु कोयला लिंकेज : सीआईएल/एससीसीएल को अपने स्वयं के गैसीकरण संयंत्रों को कोयला कंपनी द्वारा तय कीमतों पर कोयले का दीर्घकालिक आवंटन करने की अनुमति दी गई है। इस कदम से देश में कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी को बढ़ावा मिलेगा और कोयले के इस नए उपयोग को शीघ्रातिशीघ्र स्थापित करने में करने मदद मिलेगी।

12. 2009 से पूर्व बंद की गई खानों के लिए खान बंद करने हेतु दिशा–निर्देश

2009 से पहले बड़ी संख्या में खानों को बंद/परित्यक्त/समाप्त कर दिया गया था जब कोयला मंत्रालय द्वारा पहली खान बंद करने के दिशानिर्देश जारी किए गए थे। इन खानों को वैज्ञानिक रूप से इस तरह बंद करने की आवश्यकता है कि वे समुदाय के लिए लाभप्रद हों, अवैध खनन को रोकें, खनित भूमि की सुरक्षा और पुनः उपयोग सुनिश्चित करें। इसलिएए खान बंद करने के दिशानिर्देश 28 अक्टूबर, 2022 को जारी किए गए थे, जो 27 अगस्त, 2009 तक (पहली कोयला खान बंद करने के दिशानिर्देश जारी होने की तारीख) कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण के बाद बंद/परित्यक्त/समाप्त खानों वाली सभी कोयला कंपनियों (लिग्नाइट सहित) को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। ये दिशानिर्देश केवल खानों को बंद करने के लिए एक समग्र ढांचा प्रदान कर सकते हैं और अंतिम कार्यान्वयन योजनाओं के विवरण को अंतिम रूप दिया जाना है तथा संबंधित कंपनी बोर्डों द्वारा अनुमोदित किया जाना है। दिशा–निर्देशों का समग्र लक्ष्य खनित भूमि को यथासम्भव खनन–पूर्व अवस्था में बहाल करना है।

13 थर्ड पार्टी सैंपलिंग द्वारा कोयले की गुणवत्ता सुनिश्चित करना

ग्राहकों की संतुष्टि को बढ़ाने के लिए, खान से प्रेषण स्थल

तक कोयले के गुणवत्ता प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है। अब, सीआईएल के सभी उपभोक्ताओं के पास स्वतंत्र थर्ड पार्टी सैंपलिंग एजेंसियों (टीपीएसए) के माध्यम से आपूर्ति के गुणवत्ता मूल्यांकन का विकल्प है। सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च (सीआईएमएफआर) और क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) के अलावा दो और एजेंसियां अर्थात् विद्युत और गैर–विद्युत क्षेत्रों के लिए मैसर्स एसजीएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीआईएल द्वारा) और विद्युत क्षेत्रों के लिए मैसर्स मित्रा एस के प्राइवेट लिमिटेड उपभोक्ताओं को थर्ड पार्टी एजेंसियों के अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध हैं। विद्युत/गैर–विद्युत क्षेत्रों के सभी उपभोक्ता पैनल में शामिल किसी भी एजेंसी की सेवाएं लेने के लिए स्वतंत्र हैं। कोयले की गुणवत्ता के बेहतर अभिशासन हेतु सीआईएल द्वारा की गई विभिन्न पहलों जैसे मोबाइल क्रशर का उपयोग, ऑनलाइन राख विश्लेषक, फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी आदि के कारण अप्रैल 22–नवम्बर 22 के दौरान आपूर्ति किए गए कोयले की ग्रेड अनुरूपता (थर्ड पाटी सैंपलिंग) में सीआईएल के पिछले वर्ष अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के 65% की तुलना में 69% (अनंतिम) तक बढ़ोतरी हुई है।

14. मिशन कोकिंग कोल

पीएम की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत कोयला मंत्रालय द्वारा किए गए इन परिवर्तनकारी उपायों के साथ, सीआईएल ने निजी क्षेत्र को 2 मि.ट. पीआरसी के साथ राजस्व साझा करने के एक अभिनव मॉडल पर कुल 30 बंद खानों में से आठ बंद कोकिंग कोल खानों की पेशकश की है।

कच्चे कोकिंग कोयले के उत्पादन को और बढ़ाने के लिएए कोयला मंत्रालय ने पिछले दो वर्षों के दौरान 22.5 मि.ट. के पीआरसी के साथ निजी क्षेत्र को 10 कोकिंग कोल ब्लॉकों की नीलामी की है। इनमें से अधिकांश ब्लॉकों से 2025 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

15. खनन विकासकर्ता सह प्रचालक

कोयला मंत्रालय खुली वैश्विक निविदाओं के माध्यम से कोयला खानों में प्रतिष्ठित एमडीओ को नियुक्त करने और घरेलू कोयले के उत्पादन को बढ़ाने तथा आयात पर निर्भरता को कम करने की मंशा रखता है। इस कार्य की अनुबंध अवधि 25 वर्ष या खान के जीवन–काल, जो भी कम हो, के लिए है।

राज्य के स्वामित्व वाले कोयला खनिक लगभग 20,600 करोड़ रुपये के निवेश घटक के साथ एमडीओ के माध्यम से कार्यान्वयन के लिए कुल 15 ग्रीनफील्ड परियोजनाओं पर नज़र रख रहे हैंए जो बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहणए पुनर्वास और पुनर्स्थापन संबंधी मुद्दों पर, और कुछ मामलों में रेलवे साइडिंग पर फैली हुई है।

लगभग 169 मि.ट. की कुल रेटेड क्षमता वाली पंद्रह परियोजनाओं में से ग्यारह ओपनकास्ट खान और चार भूमिगत परियोजनाएं हैं। जबकि ओसी परियोजनाओं की क्षमता 165 एमटीवाई है, बाकी में यूजी परियोजनाएं शामिल हैं।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने सात कोयला परियोजनाओं के लिए स्वीकृति पत्र जारी किए हैं, जिन्हें खान विकासकर्ता सह प्रचालक के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। संचयी रूप से, इन परियोजनाओं की उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष लगभग 100 मिलियन टन है।

शेष आठ परियोजनाओं में से, दो परियोजनाओं के लिए शीघ्र ही एलओए जारी किया जाएगा। शेष 6 परियोजनाएं निविदा के विभिन्न चरणों में हैं।

19. फर्स्ट माईल कनेक्टिविटी [एफएमसी]

कोयला मंत्रालय ने 522 एमटीपीए क्षमता की 51 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं (44 – सीआईएल, 5–एससीसीएल और 3 – एनएलसीआईएल) शुरू की हैं, जिनमें से 95.5 एमटीपीए क्षमता की 8 परियोजनाएं (6–सीआईएल और 2–एससीसीएल) शुरू हो चुकी हैं।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और घरेलू रूप से खनित कोयले के साथ आयातित कोयले के स्थान पर आत्म निर्भर भारत को साकार करने के लिए, कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 25 में 1.31 बि.ट. और वित्त वर्ष 30 में 1.5 बि.ट. कोयले का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है।

माननीय कोयला मंत्री द्वारा सोनेपुर बाजारी में सीएचपी और साइलो का उद्घाटन।

20. पीएम गति शक्ति के तहत पहलें

कोयला मंत्रालय ने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी विकसित करने के लिए 13 रेलवे परियोजनाएं शुरू की हैं और प्रत्येक परियोजना के लिए लुप्त अवसंरचना अंतरों की पहचान की है। उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं के तहत एनएमपी पोर्टल में चार रेलवे परियोजनाओं की सफलतापूर्वक मैपिंग की गई है, जो झारखंड और ओडिशा राज्यों में विकसित की जाएंगी और सभी वाणिज्यिक खनिकों के लिए त्वरित संभारतंत्र (लॉजिस्टिक्स) और व्यापक कनेक्टिविटी के साथ कोयले की ढुलाई की सुविधा प्रदान करेंगी।

भद्राचलम रोड–सत्तुपल्ली नई बीजी रेल लाइन

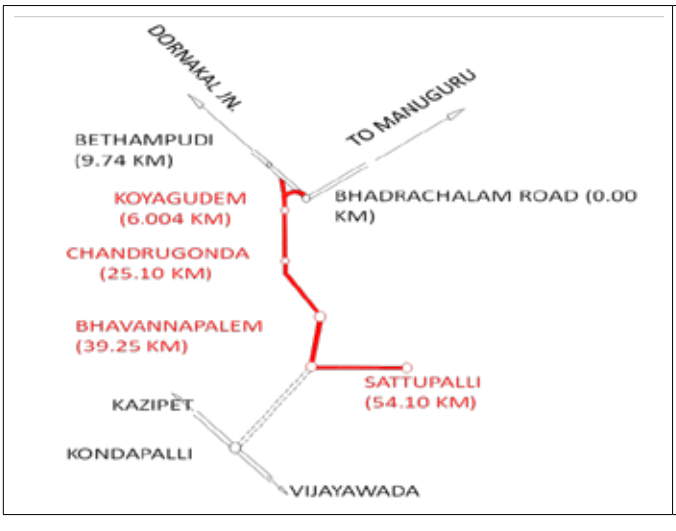

2. ओडिशा में 14 किमी लंबाई के एमसीआरएल रेल कॉरिडोर के एमसीआरएल चरण–1 (अंगुल–बलराम) का उद्घाटन।

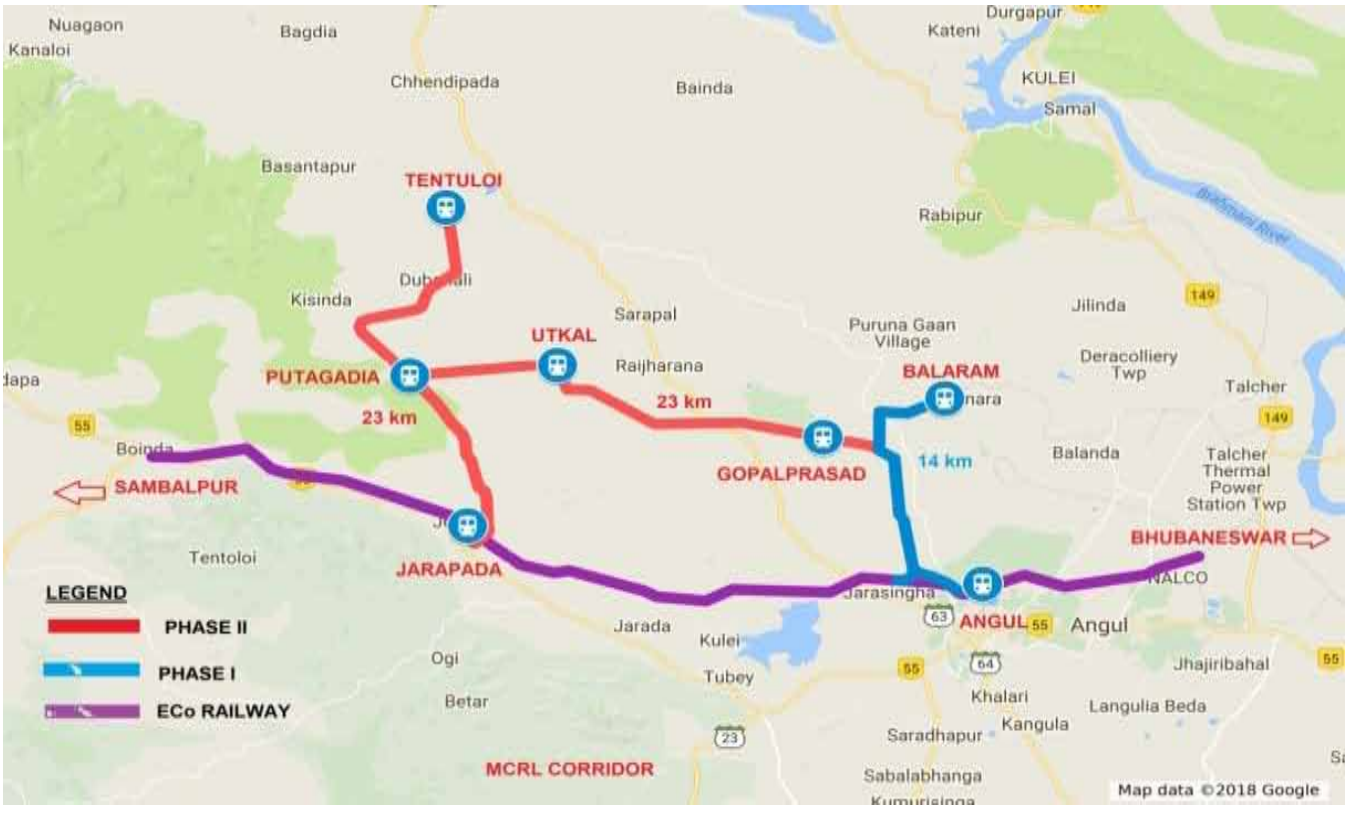

54 किलोमीटर के एमसीआरएल चरण– II (बलराम–जापदा–टेंटुलोई) के दिसंबर 2025 तक शुरू होने की संभावना है। इसने दक्षिणी छोर और मध्य भाग में आवंटित कोयला ब्लॉकों और तलचर कोलफील्ड्स के मध्य भाग को कनेक्टिविटी प्रदान की है।

21. वाणिज्यिक खनन

वाणिज्यिक खनन का पांचवां दौर 30 मार्च, 2022 को शुरू हुआ, जिसमें चौथे दौर के दूसरे प्रयास और वाणिज्यिक नीलामी के तीसरे दौर के दूसरे प्रयास में क्रमशः 4 कोयला खानों और 9 कोयला खानों के साथ–साथ 109 कोयला/लिग्नाइट खानों की पेशकश की गई। इन तीन दौरों के तहत 51 एमटीपीए के पीआरसी वाली कुल 17 कोयला खानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है।

अब तक 152 एमटीपीए के पीआरसी वाले वाणिज्यिक खनन के तहत कुल 64 कोयला खानों की सफलतापूर्वक नीलामी की जा चुकी है। एक बार पूरी तरह से चालू होने के बाद ये खानें 2 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार क्षमता उत्पन्न करेंगी और 22,000 करोड़ से अधिक का पूंजी निवेश देंगी।

22. परिसंपत्ति का मुद्रीकरण

वित्त वर्ष 2022–23 (नवंबर, 22 तक) में नीति आयोग के 30000 करोड़ रु. के लक्ष्य की तुलना में परिसंपत्ति मुद्रीकरण की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परिसंपत्ति श्रेणी	राशि करोड़ रुपये में
1	एमडीओ	390
2	वित्त वर्ष 22 में नीलाम किए गए और वित्त वर्ष 23 में मुद्रीकृत किए गए कोयला ब्लॉक	16,383.15
	कुल	**16,773.15**

कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2021–22 के लिए 19547.33 करोड़ रु. का कैपेक्स लक्ष्य प्राप्त किया जो वार्षिक कैपेक्स लक्ष्य का 104.27% है। वित्त वर्ष 2021–22 और वित्त वर्ष 2022–23 में नवंबर, 2022 तक प्राप्त कैपेक्स का विवरण नीचे दिया गया है:

करोड़ रुपये

वित्त वर्ष 2022–23				
2022–23 के लिए समझौता ज्ञापन लक्ष्य	16500	2920	2,000	21,420
नवंबर, 22 तक उत्तरोतर उपलब्धि	9751.12	1299.01	700.45	11750.58
नवंबर, 22 तक उपलब्धि :	59.10%	44.49%	35.02%	54.86%

23. सतत विकास और न्यायोचित बदलाव

हरित पहलः जैव–उद्धार/पौधारोपणः

- वित्त वर्ष 2019–20 से वित्त वर्ष 2022–23 के लिए 7600 हेक्टेयर और 176 लाख पौधों के लक्ष्य की तुलना में 7986 हेक्टेयर की संचयी उपलब्धि तथा 179 लाख पौधे (नवंबर, 2022 तक) लगाना।
- कोयला/लिग्नाइट पीएसयू ने जनवरी, 2022 से नवंबर, 2022 के दौरान 2300 हेक्टेयर भूमि पर लगभग 47 लाख पौधे लगाए हैं।

24. लंबित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान 2.0

इस वर्ष 2 अक्टूबर, 2022 से 31 अक्टूबर, 2022 तक विशेष अभियान 2.0 चलाया गया। इस अभियान के दौरान, मंत्रालयों/विभागों के अलावा क्षेत्रीय/बाहरी कार्यालयों पर अभियान की निगरानी और क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया। कोयला मंत्रालय ने चिन्हित किए गए 340 स्थलों पर 3023788 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र की सफाई की थी। 5409.5 मि.ट. से अधिक स्क्रैप का निपटान किया गया है, जिससे 48.5 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ। डीएआरपीजी द्वारा पीएमओ के संदर्भ और नियमों में आसानी के लक्ष्यों में 100% प्राप्त करने के लिए शीर्ष 5 मंत्रालयों में शामिल होने के लिए कोयला मंत्रालय का विशेष रूप से उल्लेख किया गया था। विशेष अभियान 2.0 के दौरान स्क्रैप के निपटान से उच्चतम राजस्व उत्पन्न करने के लिए कोयला मंत्रालय को 85 मंत्रालयों/विभागों में दूसरा स्थान दिया गया था।

		The recovered area will be utilized for parking of vehicles.	Being utilized for parking of vehicles
		Regional Workshop, Dhori Around 2000 sq ft area was cleared where around 800 tyres and drums were there. This cleared area will be used for construction of **ladies toilet.**	Under Process
		RR Shop, Jarangdih- Around 400 sq m (4305 sq ft) area was cleared and this cleared area has coal beneath it and coal mining can be done in future to extract coal worth hundreds of crores lining underneath.	Adjoining mine advancing towards this cleared area which will be excavated in due course
		Jarangdih Workshop- Around 3600 sq m (38750 sq ft) area was cleared. One Effluent Treatment Plant (ETP) and one Toilet for workers already constructed.	**Space utilized and construction of toilet and ETP completed**